# बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के 15वें स्थापना दिवस समारोह–2024 के अवसर पर किसानों के सफलता की कहानी

**कृषक का नामः** प्रभात कुमार
**ग्राम** : बड़गाँव
**प्रखण्ड** : कोंच
**जिला** : गया
**मो0** : 9635975077

**1. प्रारंभिक परिस्थिति (Initial Situation)** :

34 वर्षीय श्री प्रभात कुमार का ताल्लुकात गया जिला के कोंच प्रखण्ड के बड़गाँव में कृषक परिवार से आते हैं जिनकी प्रारंभिक शिक्षा गाँव की सरकारी स्कूल से हुई। श्री कुमार एक मेधावी छात्र थे और उन्होंने बी. टेक. की उच्च शिक्षा भी प्राप्त की। चूँकि उनके पिता की इच्छा थी कि पढ़ाई के बाद वो खेत से न जुड़े रहे बल्कि नौकरी करें, इसलिए उन्होंने इंजीनियरिंग की टेकनीकल डिग्री प्राप्त कर 2010 में एक प्राइवेट कम्पनी से जुड़ गए और 20,000 रुपये की मासिक वेतन पर कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें पश्चिम बंगाल, ओडिसा जैसे राज्यों में भी जाने का मौका मिला जहाँ खेती से अच्छी कमाई करने के गुड़ भी सीखने को मिला। किन्तु एक वर्ष नौकरी करने के बाद उन्हें लगा कि नौकरी में सीमित आमदनी है, जिससे भविष्य सुरक्षित नहीं है। अतः मन में कुछ और करने की जज्बा से उन्होंने आई0 सी0 आई0 सी0 आई0 फेलोशिप पास की और महाराष्ट्र में जाकर कृषि के क्षेत्र में बहुत कुछ सीखने को मिला। वहाँ उन्हें पता चला कि बिहार में एक एकड़ जमीन से 25–30 हजार रुपये कमाने में पसीना छूट जाता है किन्तु यहाँ अंगूर, अनार, केला आदि फसलों से समूह बनाकर 25–30 लाख रुपये कमा रहे हैं तो क्या बिहार में भी इतना कमाया जा सकता है। वहीं से उन्होंने बिहार में ही इन तकनीकों का इस्तेमाल करके व्यावसायिक खेती करने का मन बनाया।

किन्तु घर आने पर न दोस्तों का साथ मिला न ही घर के परिवार वालों का। अंततः 3–4 लोग मिलकर काम करने का वादा किया, परन्तु एक एकड़ से 25–30 लाख रुपये कमाना विश्वास ही नहीं हो रहा था। इसलिए उनलोगों को श्री कुमार ने महाराष्ट्र भेजा और देखकर/सिखकर आने को कहा। वर्ष 2014 में जब वे लोग महाराष्ट्र से वापस आए तो विश्वास हुआ कि खेती से भी इतना कमाया जा सकता है और इस तरह 3–4 लोगों के साथ प्याज की खेती से अपना कारवाँ शुरू किया।

## 2. चुनौती (Challenge) :

- नौकरी छोड़कर आने से घर वालों का भी साथ न देना
- पड़ोसियों द्वारा ताना मारना,
- श्रमिकों की कमी के साथ–साथ कौशल में भी कमी
- बाजार माँग के अनुसार उत्पाद बनाना,
- उत्पाद की गुणवत्ता बरकरार रखना

## 3. संभावित विकल्प (Solution) :

अन्य राज्यों से जो देख कर या सीखकर आया, अपने साथियों/किसानों से साझा किया। साथ ही 3–4 लोगों को महाराष्ट्र भेजा ताकि देख कर विश्वास कर सके कि हजारों की जगह लाखों में कमाई हो सकती है। जब वे सीखकर आये तो उनके साथ प्याज का उत्पादन, भंडारण, ग्रेडिंग एवं बाजारों में बेचना जैसे कार्य शुरू किया जिससे अच्छी आमदनी हुई और लोग जुड़ते चले गए और आज लगभग 25000 किसान जुड़कर हर किसान 2–3 लाख रुपये कमा रहे हैं। वर्ष 2017 में लगा कि मशरुम उत्पादन भी एक अच्छा क्षेत्र है और जिला के कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, गया के अलावे अन्य संबंधित विभागों के साथ – साथ जिला के बाहर अन्य जगहों से मशरुम उत्पादन का प्रशिक्षण लेकर ज्ञान बढ़ाया एवं उत्पादन शुरू किया। इस कार्य को बढ़ाने के लिए 2017 में सोलर कोल्ड स्टोरेज के लिए उद्यान विभाग, बिहार सरकार 2020 में मशरुम प्रोसेसिंग के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और 2022 में कड़कनाथ मुर्गीपालन के लिए नाबार्ड, गया द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया गया है।

## 4. कार्य योजना (Activities) :

लोगों के साथ प्याज के व्यावसाय से शुरूआत करने के बाद मशरुम के क्षेत्र में उत्पादन शुरू किया जिसमें सफलता मिली और समय के साथ जिला के अन्य लोग भी जुड़ते चले गए। सभी की आमदनी बढ़ता चला गया। फिर मुर्गीपालन वेबीकॉर्न/स्वीटकॉर्न उत्पादन मशरुम डिब्बा बंदी आदि क्षेत्रों में काम शुरू किया। अंततः आज टेकारी एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लि0 के माध्यम से हजारो किसान लाखों मे ंकमा रहे हैं।

**5. परिणाम (Results)** :

आज के तारीख में मशरुम उत्पादन, मशरुम डिब्बाबंदी, प्याज, बेबीकॉर्न, कड़कनाथ मुर्गी, मधु आदि से कुल सलाना आमदनी 1.15 करोड़ रुपये है और 10 गाँव से लगभग 25,000 किसान जुड़कर लाखों रुपये कमा रहे हैं।

इनके इस सराहनीय एवं विशिष्ट उपलब्धियों के लिए समय–समय पर विभिन्न संस्थानों/विभागों/सरकारों द्वारा जैसे प्रभात खबर कर्मयोगी सम्मान, इंडिया यूथ फण्ड अवार्ड/जागरण एचिवर्स अवार्ड, मिलेनियर फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड, उत्कृष्ट किसान पुरस्कार आदि से नवाजा गया है।

**6. उत्प्रेरक संस्था (Facilitating Organization)** :

I. कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, गया
II. बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर, भागलपुर
III. नाबार्ड, गया
IV. उद्यान विभाग, गया बिहार
V. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय, भातर सरकार

**7. फोटाग्राफ्स (Action Photographs of Activity)** :